

(पद्य)

(प्रकार)

① महाकाव्य

② खण्डकाव्य

↓

दो महाकाव्यों के नाम

↓ दो खण्डकाव्यों के नाम

(i) रामचरितमानस — तुलसीदास

(i) तुमुल / श्याम

(ii) पद्मावत — जायसी

(ii) हल्दीचाटी / नारायण पाण्डेय

युगों की प्रवृत्ति पों / विशेषताएँ : —

शक्तिबाल

निर्गुण कान्ध धारा

- (i) ईश्वर के निराकार रूप की उपासना
- (ii) माया की निन्दा / गुरु की महत्ता

② कवि

- (i) कबीर दास
- (ii) रैदास

सगुण कान्ध धारा

- (i) ईश्वर के सगुण रूप की उपासना।

(ii) स्वतः सुखोप की भावना

② कवि

- (i) तुलसीदास
- (ii) धूरदास

(रीति-मूल) ② प्रमुख प्रवृत्तियाँ

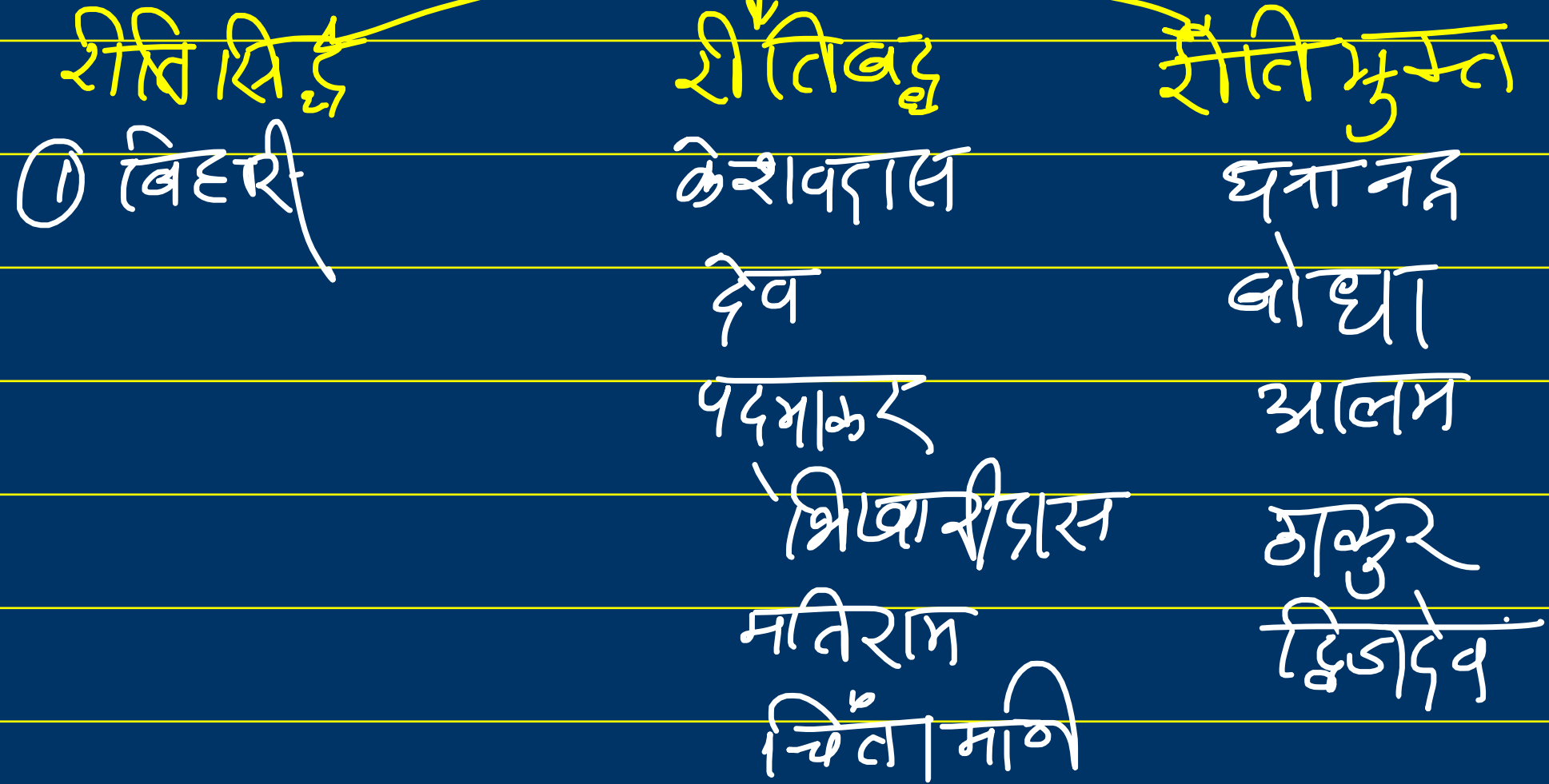
→ समय → 1643 ई० - 1868 ई०

- (i) शृंगार रस की प्रधानता।
- (ii) रीति ग्रन्थों का निर्माण।

दो कवि (प्रमुख)

- (i) बिहारी लाल — बिहारी रातसर
- (ii) केशवदास — रामचन्द्रिका

शैलिकाल — (3) शाखाएँ



आधुनिक काल

↳ समय — 1868 — अखिर

- (i) भारतेन्दु युग — 1868 ई० — 1900 ई०
- (ii) द्विवेदी युग — 1900 ई० — 1918/22
- (iii) छापावदी युग — 1918/20 — 1936/38
- (iv) प्रगतिवादी युग — 1938 — 1943
- (v) प्रयोगवादी युग — 1943 — 1951
- (vi) नई रुकिया — 1951 —

भारतेन्दु युग — भारतेन्दु हरिश्चंद्र

↓ अ-घोर नागरी

द्विवेदी - युग — 1900 — 1922

↳ साप्ताहिकी - पत्रिका

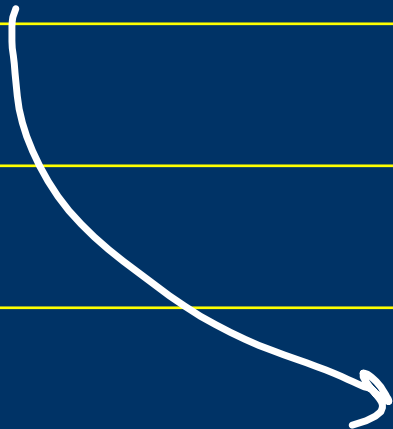
↳ प्रथम सम्पादक

↳ श्यामसुन्दर दास

↳ दूसरे सम्पादक —

महावीर जगन् द्विवेदी

दो प्रमुख कार्य



① अग्रोद्योगासिद्धिं उपाध्याय हरे ओष्ट ।

↳ विषय प्रवाल

② मैथिली शरण गुप्त — सार्वभौम

द्विवेदी युग की दो प्रमुख विशेषताएँ —

(i) भारतीयता के अतीत के गौरव के प्रति

मोह ।

(ii) नैतिक आदर्श की स्थापना ।

(iii) इतिवृत्तात्मकता ।

(छायाकाद युग)

↳ 1918 — 1936

1920 — 1938

दोनों लड़ी

④ प्रमुख कवि —

Trick ⇒ प्र. नि. प. म.

स्वता ↓

प्रसाद (जयशंकर प्रसाद) — काव्यायनी

निराला (सूर्यकान्त त्रिपाठी) — सरोज स्मृति

पंन्त (सुमित्रगान्धन) — चिदम्बर

मटोडेवी वर्मा — याज्ञा, दीपशिखा

દાખાવાડ ની દો પ્રમુખ વિશેષતાઈ/પ્રવૃત્તિપૈઃ

- (1) સૌન્દર્ય ઇવં પ્રેમ
- (2) રહસ્યવાદી જાણના

દાખાવાડ ની દો મહાકાવ્ય —

- (I) કામાપની — પદાડ
- (II) ડર્મિલા — બાલકૃષ્ણ સાર્ગંધીન

प्रगतिवाद — 1938 — 1943 ई.
के मुख्य कवि —

- (i) नागार्जुन — प्यासी पथराई आँखें
- (ii) रामधारी सिंह दिनकर — उर्वशी

विशेषताएँ —

- (i) शोषित वर्ग की पीड़ा का चित्रण
- (ii) क्रांति की भावना।

प्रयोग वा — 1943 — 1951 ई

५ प्रमुख कवि —

(i) अज्ञेय — हरी धातु पर सुगंध

(ii) भवानी प्रसाद मिश्र — गीत करोश

दो विशेषताएँ —

(i) उत्तीर्णों का प्रयोग

(ii) अतिप्रचारिता

(i) तार सप्तक — 1943 ई०

↳ लम्पाट्टक - अशेष

दो कवि अशेष / मुक्ति बोध

(ii) दूसरा सप्तक — 1951

(iii) तीसरा सप्तक — 1959

(iv) चौथा सप्तक — 1979

नई कविता के दो कवि →

गिरिजा कुमारी माफुल
श्रीवाजीकुमार मिश्रा।

लम्पाट्टक
↓
अशेष